प्रतिदर्श प्रश्न – पत्र

(2018-19)

हिन्दी 'ब'

कक्षा – दसवीं

निर्धारित समय: 3 घंटे अधिकतम अंक : 80

समान्य निर्देश : • इस प्रश्न–पत्र में चार खंड है, क,ख,ग और घ । • चारो खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना आनिवार्य है । • यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रमश: दीजिए ।

	खंड – क (अपठित अंश)	
प्र.-1	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – सुख विश्वास से ही उत्पन्न होता है । सुख जड़ता से उत्पन्न होता है । पुराने जमाने के लोग इसलिए सुखी थे कि ईश्वर की सता में उन्हें विश्वास था । उस जमाने के नमूने आज भी हैं, मगर वे महानगरों में कम मिलते हैं । उनका जमघट गाँवों, कस्बों और छोटे- छोटे नगरों में हैं। इनके बहुत अधिक असंतुष्ट न होने के कारण यह है कि जो चीज उनके बस में नहीं है, उसे वे अदृश्य की इच्छा पर छोड़कर निश्चिंत हो जाते हैं । इस प्रकार सुखी वे लोग होते हैं, जो सच्चे अर्थो में जड़तावादी है, क्योंकि उनकी आत्मा पर कठखोदी चिड़िया चोंच नहीं मारा करती, किंतु जो न जड़ता का त्याग करता है और न ईश्वर के आस्तित्व का। असली वेदना उसी संदेहवादी मनुष्य की वेदना है । 'परिचय' का आधुनिक बोध इसी पीड़ा से ग्रस्त है । वह मनुष्य न तो जानवर की तरह खा–पीकर संतुष्ट रह सकता है, न अदृश्य का अवलंब लेकर चिंता मुक्त हो सकता है । इस अभागे मनुष्य के हाथ न तो लोक रह गया है, न परलोक । लोक इसलिए नहीं कि वह जानवर बनकर जीने को तैयार नहीं है और परलोक इसलिए कि विज्ञान उसका समर्थन नहीं करता है । निदान, संदेहवाद के झटके खाता हुआ यह आदमी दिन-रात व्याकुल रहता है, और रह–रहकर अपनी समाप्ति की कल्पना करके अपनी व्याकुलता का रेचन करता है ।	
1.	किस प्रकार के इंसान सुखी होते हैं और क्यों?	. (2)
2.	संदेह वादी कौन होता है ? वह निरंतर किस स्थिति से गुजरता रहता है ?	(2)
3.	संदेह वादी लोक के सुख और परलोक के अनादर से वांचित क्यों रहता है ?	(2)

4.	संदेह-वाद से पीड़ित व्यक्ति निरंतर किस प्रकार की अनुभूति से व्यथित रहता है ?	(2)
5.	उपर्युक्त गद्यांश उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।	(1)
प्र.-2	निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए तू हिमालय नहीं, तू न गंगा- यमुना तू त्रिवेणी नहीं, तू न रामेश्वरम तू महाशील की है अमर कल्पना देश । मेरे लिए तू परम वंदना । मेघ करते नमन, सिंधु गोदावरी है कराती युगों से तुझे आचमन तू पुरातन बहुत, तू नए से नया तू महाशील की है अमर कल्पना । देश मेरे लिए तू महा – अर्चना शक्ति – बल का समर्थक रहा सर्वदा तू परम तत्व का नित विचारक रहा ।	
1.	कवि का देश को 'महाशील की अमर कल्पना' कहने से क्या ताप्पर्य है ?	(2)
2.	भारत देश पुराना होते हुए भी नित नूतन कैसे है ?	(2)
3.	देश का सत्कार प्रकृति किस प्रकार करती है ? काव्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।	(2)
	अथवा	
	मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के। आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली, दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली। पाहुन ज्यों आए हो गाँव में शहर के। मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।। पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए, आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए, बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की बरस बाद सुधि लीन्ही-बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की	
(क)	पाहुन किसे कहा गया है और क्यों?	(2)
(ख)	बन-सँवर कर कौन आया और उससे क्या-क्या परिवर्तन हुए?	(2)
(ग)	बूढ़ा पीपल किसके रुप में है और उसने क्या किया?	(2)
	खंड – ख	
प्र.-3	शब्द कब पद का रूप ले लेते हैं ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ।	(2)
	अथवा	

	पद कहलाने के लिए शब्द के अपने स्वरूप में क्या परिवर्तन लाना पड़ता है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।	
प्र.-4	नीचे लिखे वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए -	(3)
(क)	बालक रोया और चुप हो गया । (सरल वाक्य)	
(ख)	सूर्योदय होने पर पक्षी चहचहाने लगे । (संयुक्त वाक्य)	
(ग)	तुम गाड़ी रुकने के स्थान पर चले जाओ । (मिश्र वाक्य)	
(घ)	वह पत्रिका पढ़ने के लिए पुस्तकालय गया। (संयुक्त वाक्य)	
प्र.-5 (क)	निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दों शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए। स्नेहमग्न, अंधकूप, शताब्दी	(2)
(ख)	निम्नलिखित में से किन्ही दो के समास – विग्रह को समस्त पद में परिवर्तित करके समास का नाम लिखिए –	(2)
(अ)	झड़ जाते हैं पत्ते जिस ऋतु में	
(ब)	पेट भर कर	
(स)	सुख और दुख	
प्र.-6	निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही चार वाक्यों को शुद्ध करके पुन: लिखिए -	(4)
(क)	हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री पहुँचे ।	
(ख)	‘गोदान’ उपन्यास मुंशी प्रेमचंद ने लिखा ।	
(ग)	उसने तरह–तरह के चमड़े के जूते खरीदे ।	
(घ)	केवल मात्र यहाँ दो पुस्तकें हैं ।	
(ड)	खरगोश को काटकर गाजर खिलाओं	
प्र.-7	रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए -	(2)
(क)	वह स्वभाव से इतना उग्र है कि बात–बात पर .... है ।	
(ख)	गुप्तचर विभाग का काम यही है कि वह असामाजिक तत्वों की प्रत्येक गतिविधि पर .... ।	

CBSE Solved Sample Papers are Available by whatsapp also from whatsapp No +91 89056 29969

(ग)	तताँरा किनारे पर खड़ा वामीरों की .... था।	
	खंड – ग	
प्र.-8	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए	
(क)	लेखक ने व्यावहारिकता को समाज के लिए अच्छा क्यों नहीं माना ?	(2)
(ख)	समुद्र के गुस्से की वजह क्या थी ? उसने अपना गुस्सा कैसे निकाला?	(2)
(ग)	तँतारा की तलवार के बारे में लोगों की क्या राय थी ?	(1)
	अथवा	
	कौंसिल की ओर से क्या नोटिस निकला ?	
प्र.-9	पाठ 'बड़े भाई साहब' के आधार पर छोटे भाई के व्यक्तित्व का चित्रण कीजिए।	(5)
	अथवा	
	वजीर अली सच्चे मायनो में जॉबाज सिपाही था – कथन की पुष्टि कीजिए ।	
प्र.-10	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –	
(क)	बिहारी के दोहों के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि सच्चे मन में ईश्वर बसते हैं?	(2)
(ख)	'सर पर कफन बाँधना' किस ओर संकेत करता है ?	(2)
(ग)	कवि ने तालाब की समानता किससे की है ?	(1)
	अथवा	
	मीरा श्रीकृष्ण के समीप रहने के लिए क्या करने को तैयार है?	
प्र.-11	'आत्मत्राण' कविता अन्य प्रार्थनाओं से किस प्रकार अलग है ?	(5)
	अथवा	
	कबीर के दोहों की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए ।	
प्र.-12	'हरिहर काका' पाठ के आधार पर बताइए कि धर्म के नाम पर किस तरह साधारण जन की भावनाओं से खेला जाता है?	(5)
	अथवा	
	विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए पाठ 'सपनों के से दिन' में अपनाई गई	

Download All Solved Sample Papers from website www.cbse.online

	युक्तियों और वर्तमान में स्वीकृत मान्यताओं के संबंध में विचार प्रकट कीजिए।	
	(खंड – घ)	
प्र.-13	निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए	(5)
	प्लास्टिक की दुनिया – कृत्रिम पदार्थ प्रयोग .... गुण- अवगुण ..... हानियाँ ..... ज़िम्मेदारी ।	
	कैसा शासन बिन अनुशासन – अनुशासन की आवश्यकता .... देश की वर्तमान स्थिति .... अनुशासनहीनता के कारण .... न्याय में देरी का समाधान ।	
	सपने में अंतरिक्ष की यात्रा – भूमिका .... अंतरिक्ष में पहुँचना .... भ्रमण का अनुभव वास्तविक स्थिति में वापसी ।	
प्र.-14	अपने सेवानिवृत्त पूर्व अध्यापक को उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए धन्यवाद–ज्ञापन पत्र लिखिए ।	(5)
	अथवा	
	कक्षा के प्रतिनिधि होने के नाते गणित विषय को बेहतर करने के लिए कक्षा की तरफ से गणित विषय के लिए अतिरिक्त कक्षाओं की व्यवस्था के लिए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए ।	
प्र.-15	आप अपने विद्यालय में एन.सी.सी. के छात्र प्रतिनिधि हैं । गणतंत्र दिवस समारोह की परेड में हिस्सा लेने में इच्छुक छात्रों हेतु 25-30 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए ।	(5)
	अथवा	
	आप विद्यालय के छात्र संघ के सचिव है । विद्यालय में मोबाइल निषेध है । इससे संबंधित सूचना जारी करते हुए 25-30 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए ।	
प्र.-16	जलभराव की शिकायत लेकर गए नागरिक और नगर पालिका अध्यक्ष के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए ।	(5)
	अथवा	
	एक घायल व्यक्ति को सड़क पर देखकर दो मित्रों के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।	
प्र.-17	कुछ व्यक्तिगत कारणों से आपने अपने नाम में कुछ बदलाव किए हैं, उससे संबंधित लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन का आलेख तैयार कीजिए ।	(5)
	अथवा	
	गर्मियों की छुट्टियों में आपने एक नृत्य संस्थान खोला है । उससे संबधित लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन का आलेख तैयार कीजिए ।	

CBSE Solved Sample Papers are Available by whatsapp also from whatsapp No +91 89056 29969

Download All Solved Sample Papers from website www.cbse.online

उत्तर – तालिका

(2018-19)

हिन्दी 'ब'

कक्षा – दसवीं

निर्धारित समय: 3 घंटे अधिकतम अंक : 80

	खंड - क	
उत्तर – 1)	वे इंसान जी ईश्वर की सत्ता में विश्वास रखते हैं या जड़ता में रहते हैं, वे सुखी रहते हैं, इसका कारण यह है कि वे उन चीजों को जो उनके वश में नहीं है, ईश्वर पर छोड़कर निश्चिंत हो जाते हैं ।	(2)
	संदेह वादी वे होते हैं जो न जड़ता को पूरी तरह स्वीकार करते हैं तथा न ईश्वर के आस्तित्व को पूरी तरह नकारते हैं वे निरतंर वेदना में रहते हैं ।	(2)
	संदेहवादी लोक के सुख से इसलिए वंचित रहते हैं क्योंकि वे जानवर बनकर जीने को तैयार नहीं हैं और परलोक के अनादर से इसलिए वंचित रहते है क्योंकि विज्ञान उनका समर्थन नहीं करता	(2)
	संदेहवाद से पीड़ित व्यक्ति निरंतर व्याकुल रहता है तथा रह-रहकर अपनी समाप्ति की कल्पना करके व्याकुलता का रेचन करता हैं ।	(2)
	शीर्षक – सुख – दुख की परिकल्पना या अन्य कोई उपयुक्त शीर्षक	(1)
उत्तर – 2) (1)	कवि का तात्पर्य है कि यह देश नैतिक मूल्यों की आधारशिला है। समाज में जब तक नैतिक मूल्य रहते हैं, तभी तक वह जीवित रहता है, अत: कवि देश को महाशील की 'अमर कल्पना' कहा है ।	(2)
(2)	भारतीय संस्कृति बहुत पुरानी है परंतु समन्यवादी दृष्टिकोण के कारण यहाँ नए विचारों को अपना लिया जाता है । इस कारण भारत देश सदैव नया रहता है ।	(2)
(3)	प्रकृति में बादल भारत का नमन करते हैं, सागर उसके पैर धोते है यहाँ लाखों खेत लहलहाते हैं । नर्मदा, ताप्ती, सिंधु और गोदावरी नदियाँ सदियों से यहाँ पवित्र जल उपलब्ध करवाती रही है ।	(2)
	अथवा	
(1)	बादलों को पाहुन कहा गया है क्योंकि वह बहुत दिनों में लौटे हैं और ससुराल में पाहुन की भाँति बादलों का स्वागत हो रहा है।	(2)
(2)	मेघ बन-सँवर के गाँव में आए और मेघों के आने पर दरवाजों-खिड़कियाँ	(2)

CBSE Solved Sample Papers are Available by whatsapp also from whatsapp No +91 89056 29969

	खुलने लगी,पेड़ झुकने लगे, आँधी चलीं और धूल भागने लगी।	
(3)	बूढ़ा पीपल (गाँव का सयाना बूढ़ा व्यक्ति) स्वागत कर्ता है जिसनें नवांगतुक (मेघ/पाहुन) का स्वागत किया।	(2)
	खंड - ख	
उत्तर.3	जब तक शब्द कोश में या स्वतंत्र रूप में रहते हैं तब तक वे शब्द कहलाते हैं परंतु जब वे वाक्य में प्रयुक्त होते हैं तब वे पद बन जाते हैं । कमल – स्वतंत्र राज्य (कमल कीचड़ में खिलता हैं यहाँ कमल पद हैं।)	(2)
	अथवा	
	पद कहलाने के लिए शब्द को वाक्य का हिस्सा बनना पड़ता है और लिंग, वचन, काल, विभक्ति, वाक्य आदि उस पर प्रभाव ड़ालते है जैसे ‘कीचड’ स्वतंत्र शब्द है परंतु वाक्य में प्रयुक्त होने पर उसे अन्य व्यावहारिक इकाईयों का सहारा लेना पड़ता है कमल <u>कीचड</u> में खिलता है।	
उत्तर.4	रचना के आधार पर वाक्य रूपातंरण (कोई तीन)	(3)
(क)	बालक रो – रोकर चुप हो गया	
(ख)	सूर्योदय हुआ और पक्षी चहचहने लगे ।	
(ग)	तुम वहाँ चले जाओ जहाँ गाड़ी रुकती है ।	
(घ)	उसे पत्रिका पढ़नी थी इसलिए वह पुस्तकालय गया।	
उत्तर.5	शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए (कोई दो)	(2)
(क)	- स्नेह में मग्न (तत्पुरुष समास)	
	- अंधा है जो कूप (कर्मधारय समास)	
	- शत अब्दों का समाहार (दिव्गु समास)	
(ख)	समस्त पद बनाकर समास का नाम - (कोई दो)	(2)
	पतझड़ – (बहुव्रीहि समास)	
	भरपेट – (अव्ययी भाव समास)	
	सुख-दुख (द्वंद्व समास)	
उत्तर.6	वाक्यों के शुदध रूप - (कोई चार)	(4)
(क)	प्रधानमंत्री हवाई अड्डे पर पहुँचे	
(ख)	मुंशी प्रेमचंद ने ‘गोदान’ उपन्यास लिखा ।	
(ग)	उसने चमड़े के तरह – तरह के जूते खरीदे ।	
(घ)	यहाँ केवल दो पुस्तकें हैं ।	
(ङ)	खरगोश को गाजर काटकर खिलाओ।	
उत्तर.7	उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति (कोई दो)	(2)

(क)	(तलवार खींचना) या अन्य कोई उपयुक्त मुहावरा	
(ख)	नजर रखना/रखे) या अन्य कोई उपयुक्त मुहावरा	
(ग)	(बाट जोहना) या अन्य कोई उपयुक्त मुहावरा	
	खंड - ग	
उत्तर.8 (क)	केवल व्यक्तिगत काम के लिए सजग, हानि – लाभ का हिसाब उठाकर कदम उठाते, सबकी बजाय केवल अपने हित की बात समाज के प्रति दायित्वों में भी 'आदर्श' का प्रयोग भी केवल व्यक्तिगत हित के लिए ।	(2)
(ख)	बड़े – बड़े बिल्डरों ने समुद्र के किनारे ऊँची – ऊँची बिल्डिंग बना लीं, समुद्र की जमीन हथिया ली, यही प्रक्रिया बढ़ती गई, समुद्र को गुस्सा आ गया, जो जितना बड़ा उसे उतना कम गुस्सा, परंतु जब आता है तो रोकना असंभव, एक रात गुस्से में तीन जहाजों को फैंक दिया ।	(2)
(ग)	तँतारा की तलवार के बारे में लोग सोचते थे कि तलवार में कोई दैवीय शक्ति लकड़ी की होने के बावजूद अपने भीतर विलक्षण रहस्यों को भीतर समाहित रखती थी ।	(1)
	अथवा	
	कौंसिल की ओर से नोटिस निकला कि ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर मोनुमेंट के नीचे झंड़ा फहराया जाएगा और स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी।	
उत्तर.9	(किसी एक प्रश्न का उत्तर) छोटे भाई का व्यकितत्व – पढ़ाई में मन न लगना, प्रतिभावान छात्र, बड़े भाई का आदर, भाई के प्रति सहानुभूति व श्रद्धा, मैदान के खेलों में रुचि व भोलापन । (छात्र उपरोक्त बिंदुओ की पुष्टि उदाहरणों द्वारा दे सकते हैं ।)	(5)
	अथवा	
	वजीर अली का चरित्र (साहसी वीर, निर्भीक व्यक्तित्व अपनी आजादी से प्रेम, देशभक्त सूझबूझ, चालाक व बुद्धिमान) (छात्र उपरोक्त बिन्दुओं की पुष्टि उदाहरणों द्वारा दे सकते हैं ।)	
उत्तर.10 (क)	सच्चे मन में ईश्वर का वास, कच्चे मन वाले व्यर्थ में ही नाचते हैं, भक्ति न होने पर भी तिलक, माला, चादर (राम नाम) आदि पहनकर भक्ति का केवल ढोंग । ईश्वर बाह्य चिह्नों की बजाय सच्चे मन में निवास करते हैं ।	(2)
(ख)	'सर पर कफन बाँधना' सैनिक देशवासियों से अपेक्षा रखते हुए मृत्यु से	(2)

CBSE Solved Sample Papers are Available by whatsapp also from whatsapp No +91 89056 29969

	गले मिलने की बात कर रहे है, जिसके लिए उन्हें हमेशा तैयार रहना चाहिए ।	
(ग)	तालाब की समानता दर्पण के साथ दिखाई गई है ।	(1)
	अथवा	
	मीरा कृष्ण के समीप रहने के लिए उनकी सेविका बनने को तैयार है।	
उत्तर – 11)	किसी एक प्रश्न का उत्तर	(5)
	आत्मत्राण कविता में कवि न तो ईश्वर से कठिनाईयों को कम करने की प्रार्थना करते हैं, न किसी प्रकार की सहायता की माँग करते हैं वह स्वयं प्रत्येक कठिन से कठिन पारिस्थिति का सामना स्वयं करना चाहते हैं । वह स्वयं स्वस्थ रहकर धैर्यवान बनकर केवल भलाई एवं ईश्वर के प्रति धन्यवाद रखने में विश्वास रखते हैं ।	
	अथवा	
	कबीर के दोहों की प्रासंगकिता – कबीर के दोहों की शिक्षा प्रत्येक काल में सार्थक मीठी वाणी का प्रयोग, आपसी विश्वास, ईश्वर का प्रत्येक मन में विश्वास, अंहकार को समाप्त करने का संदेश, झूठे पाखंडो का विरोध, ईश्वर एक व सभी मनुष्य समान निदंकों को समीप रखने का परामर्श ... आदि ऐसे मूल्यों से स्वस्थ समाज व विकास संभव ।	
उत्तर – 12)	किसी एक प्रश्न का उत्तर	
	‘हरिहर काका’ पाठ में धर्म के नाम पर सीधे – सादे गाँव के लोगों को ठाकुरवारी के नाम पर बेवकूफ बनाना, धर्म के ठेकेदारों द्वारा जैसे महंत इत्यादि के द्वारा केवल आराम से ठाठ – बाठ का जीवन व्यतीत करना, लोगों से पैसा, जमीन हड़पना, समय आने पर गुंडागर्दी मारपीट या हिंसा पर उतर आना जैसे काका से जमीन हथियाने के लिए पहले बहलाना – फुसलाना फिर न मानने उन्हें बंधक बनाकर जबरदस्ती अँगूठा लगवाना इत्यादि ।	5
	अथवा	
	पाठ ‘सपनों के से दिन’ में विद्यार्थियो की अनुशासन में रखने के लिए उन्हें कई प्रकार के शारीरिक दंड दिए जाते थे । पिटाई भी इतनी अधिक कि चमड़ी उधेड़ने वाली कहावत चरितार्थ, दंड ऐसा कि बच्चे चक्कर खा जाए, बच्चों का कोमल मन ऐसे बर्बरता पूर्ण व्यवहार से अधिक उदडं या फिर दब्बू बना देता है, पढ़ाई – लिखाई में अरुचि आ सकती है इन्हीं कारणों को समझकर मनोचिकित्सकों के अनुसार शारीरिक दंड उचित नहीं	

	आज की शिक्षा प्रणाली में प्यार, समझ, सूझ – बुझ व समस्या की जड़ पर पहुँच कर उसका निदान करने में विश्वास । शारिरिक दंड का आज की शिक्षा नीति में कोई स्थान नहीं ।	
	खंड – 'घ'	
उत्तर – 13)	अनुच्छेद लेखन प्रारूप - 2 अंक विषय वस्तु – 2 अंक भाषा – 1 अंक	(5)
उत्तर – 14)	औपचारिक पत्र पत्र प्रारूप – 2 अंक विषय वस्तु – 2 अंक भाषा - 1 अंक	(5)
उत्तर – 15)	सूचना लेखन सूचना पारुप – 2 अंक विषय वस्तु – 3 अंक	(5)
उत्तर – 16)	संवाद लेखन भाषा शैली – 2 अंक विषय वस्तु – 3 अंक	(5)
उत्तर – 17)	विज्ञापन लेखन प्रारूप – 2 अंक विषय वस्तु – 2 अंक भाषा – 1 अंक	(5)

CBSE Solved Sample Papers are Available by whatsapp also from whatsapp No +91 89056 29969